ये अव्यक्त इशारे

परोपकार की भावना से सम्पन्न बन अपकारियों पर भी उपकार करो

17-07-2024

स्वयं के सर्व खजानों को अन्य आत्माओं प्रति दान देना -यही है परोपकार करना। ऐसे परोपकारी स्वयं को सर्व खजानों से सम्पन्न बेगमपुर का बादशाह अनुभव करेंगे। उनके संकल्प में भी गम के संस्कार इमर्ज नहीं हो सकते। इसके लिए वृत्ति से भी मैं-पन का त्याग हो, स्मृति में सदैव बाप और दादा रहे, मुख पर यही बोल हो तब विश्वपति बन विश्व की सर्विस कर सकेंगे।

Be full with the feeling of uplifting others and have mercy on those who defame you.

To donate all your treasures to all souls is to uplift them. Those who uplift others in this way will experience themselves to be full of all treasures and emperors of the land without sorrow. Sanskars of sorrow cannot emerge even in their thoughts. For this, renounce the consciousness of "I" even from your attitude. Let there always be Bap and Dada in your awareness, let there be just these words on your lips and you can be a Lord of the World and serve the world.